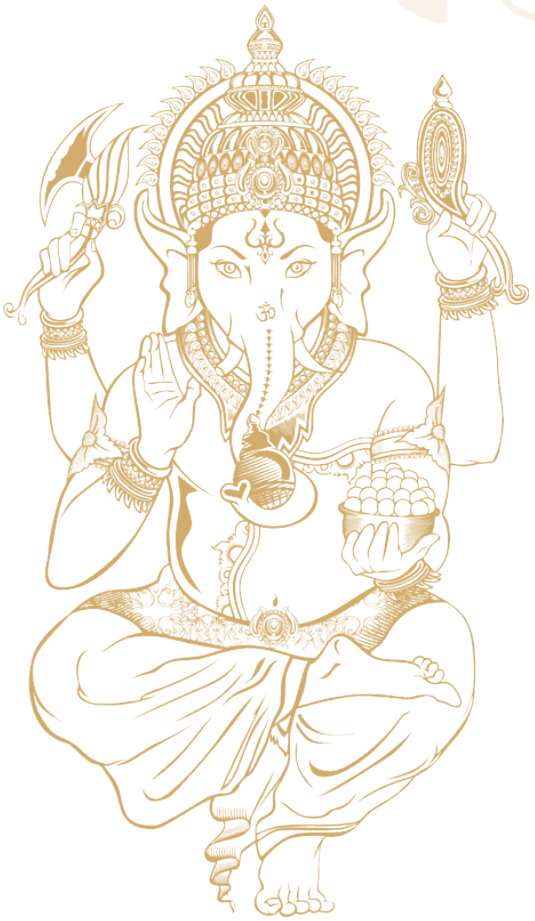

Naveen

Naveksha

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121783602

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
07/11/1991	जन्म तिथि	21/08/1996
गुरुवार	दिन	बुधवार
घंटे 21:35:00	जन्म समय	18:10:00 घंटे
घटी 39:37:33	जन्म समय(घटी)	32:18:07 घटी
India	देश	India
Bhatpara	स्थान	Bhilwara
22:51:00 उत्तर	अक्षांश	25:23:00 उत्तर
88:31:00 पूर्व	रेखांश	74:39:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे 00:24:04	स्थानिक संस्कार	-00:31:24 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:43:58	सूर्योदय	06:07:31
16:55:09	सूर्यास्त	19:00:57
23:44:51	चित्रपक्षीय अयनांश	23:48:40

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
शनि 16वर्ष 6मा 9दि		29:59:28	मिथु	लग्न	मक	20:22:10	गुरु 7वर्ष 4मा 15दि	
केतु		20:59:59	तुला	सूर्य	सिंह	04:54:57	बुध	
18/05/2025		05:04:11	वृश्चि	चंद्र	तुला	27:11:12	06/01/2023	
17/05/2032		21:13:20	तुला	मंगल	मिथु	23:52:43	06/01/2040	
केतु	14/10/2025	10:43:48	वृश्चि	बुध	कन्या	02:14:36	बुध	04/06/2025
शुक्र	14/12/2026	16:42:54	सिंह	गुरु व	धनु	14:16:40	केतु	01/06/2026
सूर्य	21/04/2027	04:34:45	कन्या	शुक्र	मिथु	19:10:16	शुक्र	01/04/2029
चन्द्र	20/11/2027	07:22:28	मक	शनि व	मीन	12:40:01	सूर्य	05/02/2030
मंगल	17/04/2028	17:29:32	धनु व	राहु	कन्या	14:51:41	चन्द्र	08/07/2031
राहु	05/05/2029	17:29:32	मिथु व	केतु	मीन	14:51:41	मंगल	04/07/2032
गुरु	11/04/2030	17:05:41	धनु	हर्ष व	मक	07:45:33	राहु	21/01/2035
शनि	21/05/2031	20:43:52	धनु	नेप व	मक	01:42:09	गुरु	28/04/2037
बुध	17/05/2032	26:19:23	तुला	प्लूटो	वृश्चि	06:33:23	शनि	06/01/2040

लग्न-चलित

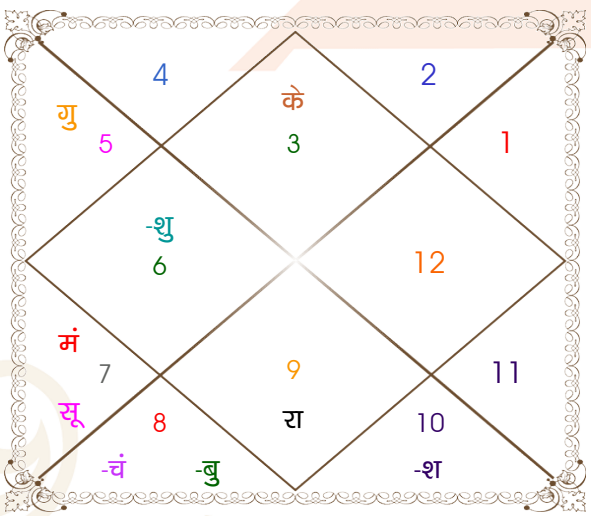

लग्न-चलित

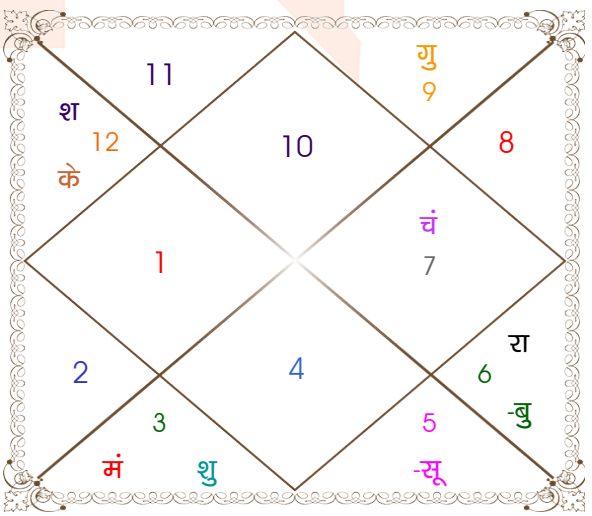

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	शूद्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	कीटक	मानव	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	सम्पत	अतिमित्र	3	3.00	--	भाग्य
योनि	मृग	व्याघ्र	4	1.00	--	यौन विचार
मैत्री	मंगल	शुक्र	5	3.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	राक्षस	6	1.00	--	सामाजिकता
भकूट	वृश्चिक	तुला	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	18.00		

भकूट दोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता नहीं है।

Naveen का वर्ग सर्प है तथा छंअर्मों का वर्ग सर्प है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Naveen और छंअर्मों का मिलान औसत है।

मंगलीक दोष मिलान

Naveen मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में पंचम् भाव में स्थित है।

छंअर्मों मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है।

Naveen तथा छंअर्मों में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।